बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना
सफलता की कहानी
दुग्ध सहकारी समिति बीहरसरवरिया, जिला पन्ना

पन्ना जिले में शासन द्वारा एम.पी.स्टेट को–ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के माध्यम से ग्राम बीहरसरवरिया में संचालित बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना के अंतर्गत दुग्ध समिति गठन होने से ग्रामवासियों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। पूर्व में ग्राम के दूध उत्पादकों का दूध व्यापारियों द्वारा औने–पौने दामों पर रू 15 प्रति लीटर की दर से क्रय किया जाता था दुग्ध समिति गठन पश्चात लगभग रू 25/– प्रति लीटर का दूध का औसत मूल्य दुग्ध उत्पादकों को प्राप्त हो रहा है।

परियोजना कार्य प्रारंभ होने से पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के ग्राम बीहरसरवरिया की तस्वीर ही बदल गई है। परियोजना अंतर्गत दुग्ध संघ द्वारा पन्ना जिले के इस ग्राम में दिनांक 24.07.2011 को दुग्ध समिति गठन की गई। समिति में प्रारंभ में 34 सदस्यों द्वारा रू 3700 अंशपूंजी एकत्रित कर दुग्ध समिति गठन की गई थी। विगत 1 वर्ष में ही दूध उत्पादकों की रूचि एवं समिति के कुशल संचालन के फलस्वरूप समिति में वर्तमान में 105 सदस्य है प्रत्येक सदस्य से रू 100 अंश पूंजी जमा कराई गई है एवं वर्तमान में समिति की अंशपूंजी रू 10500 है। इस समिति में डेयरी गतिविधियों के कार्यों में महिलाओं द्वारा भी रूचि ली जा रही है, वर्तमान में 57 महिलाएं दुग्ध समिति की सदस्य है। ग्राम में पूर्व में प्रारंभिक दुग्ध संकलन 18 लीटर प्रति दिन था, आज की स्थिति में समिति में कुल दूध 200 लीटर प्रति दिन से भी अधिक दुग्ध संकलित हो रहा है। ग्राम में जहां पूर्व में 60 दुधारू पशु थे वर्तमान में दुधारू पशु की संख्या बढ़कर 216 हो गई है।

क्षेत्र में दुधारू पशु की स्थानीय गौवंशीय केनकथा नस्ल का ग्रामवासियों द्वारा अच्छी तरह पालन किया जा रहा है। समिति में दूध की गुणवत्ता तथा नाप में पूर्ण पारदर्शिता हेतु परियोजना मद से 90 प्रतिशत अनुदान पर स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की भी स्थापना की गई है। हरा चारा उत्पादन, पशु रख–रखाव की व्यवस्था में भी प्रशिक्षण दिया गया है। दुग्ध संघ द्वारा पशुओं के उपचार हेतु डीवर्मिंग, टीकाकरण की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आचार्य विद्यासागर योजना अंतर्गत उन्नत पशुओं के क्रय हेतु डीपीआईपी के सहयोग से 68 महिला हितग्राहियों को दुधारू पशु क्रय हेतु वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। दूध उत्पादकों द्वारा स्व प्रेरणा से स्ववित्त से 156 पशु क्रय किए गए है। समिति द्वारा प्रारंभ से जनवरी 2013 तक रू 14,22,678 का दूध विक्रय किया जा चुका है। समिति निरंतर लाभ में चल रही है।

डेयरी कार्यक्रम के प्रदेश के दूरस्थ अंचल में लागू होने से ग्रामवासी अत्यंत उत्साहित है पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय को अपना मुख्य कार्य बनाते हुए डेयरी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान करने के इच्छुक है।

.....